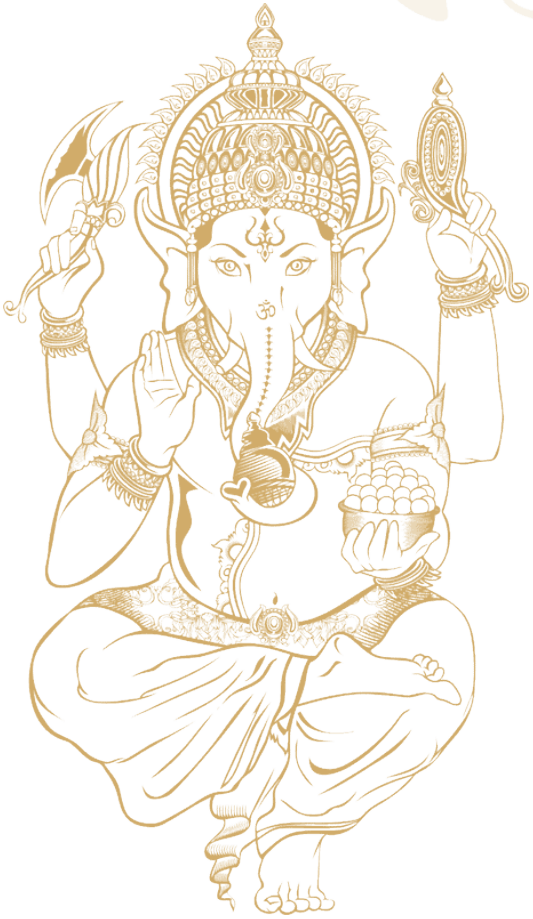

Aayush sohani

14 Jan 1999

09:25 PM

Indore

Model: web-freekundliweb

Order No: 120941312

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/01/1999**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**21:25:00 घंटे**
इष्ट	35:39:23 घटी
स्थान	**Indore**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:42:00 उत्तर
रेखांश	75:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:58:36 घंटे
वेलान्तर	-00:08:52 घंटे
साम्पातिक काल	04:33:18 घंटे
सूर्योदय	07:09:14 घंटे
सूर्यास्त	18:01:33 घंटे
दिनमान	10:52:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	00:11:14 मकर
लग्न के अंश	16:13:56 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वृद्धि
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	16:13:56	329:29:31	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	---
सूर्य			मक	00:11:14	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	25:35:35	12:14:48	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल			तुला	01:02:39	00:27:16	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध			धनु	17:32:33	01:32:05	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	सम राशि
गुरु			मीन	00:18:16	00:10:32	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			मक	18:39:14	01:15:04	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
शनि			मेष	03:09:48	00:01:46	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:34:11	00:05:12	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:34:11	00:05:12	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:51:30	00:03:23	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	07:43:23	00:02:16	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	15:43:10	00:01:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			वृष	16:07:18	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:27

लग्न-चलित

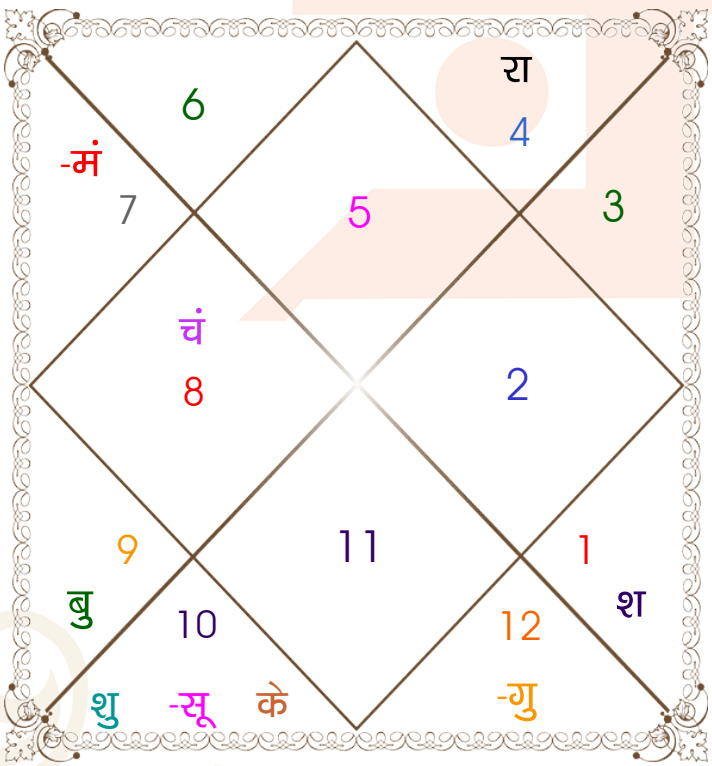

चन्द्र कुंडली

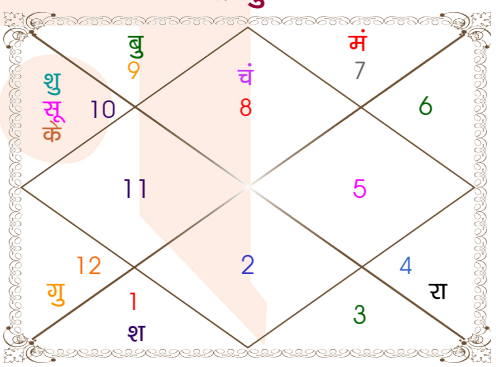

नवमांश कुंडली

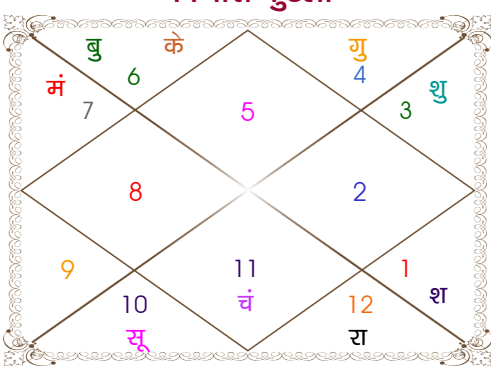

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 5 वर्ष 7 मास 13 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
14/01/1999		28/08/2004		28/08/2011		28/08/2031		28/08/2037	
28/08/2004		28/08/2011		28/08/2031		28/08/2037		28/08/2047	
	00/00/0000	केतु	24/01/2005	शुक्र	28/12/2014	सूर्य	16/12/2031	चंद्र	28/06/2038
	00/00/0000	शुक्र	26/03/2006	सूर्य	28/12/2015	चंद्र	16/06/2032	मंगल	27/01/2039
	00/00/0000	सूर्य	01/08/2006	चंद्र	28/08/2017	मंगल	22/10/2032	राहु	28/07/2040
	00/00/0000	चंद्र	02/03/2007	मंगल	28/10/2018	राहु	15/09/2033	गुरु	27/11/2041
	00/00/0000	मंगल	29/07/2007	राहु	28/10/2021	गुरु	04/07/2034	शनि	29/06/2043
	14/01/1999	राहु	16/08/2008	गुरु	28/06/2024	शनि	16/06/2035	बुध	27/11/2044
राहु	13/09/1999	गुरु	22/07/2009	शनि	28/08/2027	बुध	22/04/2036	केतु	28/06/2045
गुरु	19/12/2001	शनि	31/08/2010	बुध	28/06/2030	केतु	28/08/2036	शुक्र	27/02/2047
शनि	28/08/2004	बुध	28/08/2011	केतु	28/08/2031	शुक्र	28/08/2037	सूर्य	28/08/2047

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/08/2047		28/08/2054		28/08/2072		28/08/2088		29/08/2107	
28/08/2054		28/08/2072		28/08/2088		29/08/2107		00/00/0000	
मंगल	25/01/2048	राहु	10/05/2057	गुरु	16/10/2074	शनि	01/09/2091	बुध	25/01/2110
राहु	11/02/2049	गुरु	04/10/2059	शनि	28/04/2077	बुध	11/05/2094	केतु	22/01/2111
गुरु	18/01/2050	शनि	10/08/2062	बुध	04/08/2079	केतु	19/06/2095	शुक्र	22/11/2113
शनि	27/02/2051	बुध	26/02/2065	केतु	10/07/2080	शुक्र	19/08/2098	सूर्य	29/09/2114
बुध	24/02/2052	केतु	17/03/2066	शुक्र	11/03/2083	सूर्य	01/08/2099	चंद्र	28/02/2116
केतु	22/07/2052	शुक्र	17/03/2069	सूर्य	28/12/2083	चंद्र	02/03/2101	मंगल	24/02/2117
शुक्र	21/09/2053	सूर्य	08/02/2070	चंद्र	28/04/2085	मंगल	11/04/2102	राहु	15/01/2119
सूर्य	27/01/2054	चंद्र	10/08/2071	मंगल	04/04/2086	राहु	15/02/2105		00/00/0000
चंद्र	28/08/2054	मंगल	28/08/2072	राहु	28/08/2088	गुरु	29/08/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 5 वर्ष 7 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।